



# सरकारी गजट, उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेशीय सरकार द्वारा प्रकाशित

असाधारण

विधायी परिशिष्ट

भाग—1, खण्ड (क)

(उत्तर प्रदेश अधिनियम)

लखनऊ, शनिवार, 24 अक्टूबर, 1981

कार्तिक 2, 1903 शक संवत्

उत्तर प्रदेश सरकार

विधायिका अनुभाग—1

संख्या 2783/सत्रह-वि०-94-81

लखनऊ, 24 अक्टूबर, 1981

अधिसूचना

निम्न

'भारत का संविधान' के अनुच्छेद 201 के अधीन राष्ट्रपति महोदय ने उत्तर प्रदेश विधान मण्डल द्वारा पारित उत्तर प्रदेश होम्योपैथिक चिकित्सा महाविद्यालय (प्रबन्ध ग्रहण) (संशोधन) विधेयक, 1981 पर दिनांक 23 अक्टूबर, 1981 ई० को अनुमति प्रदान की और वह उत्तर प्रदेश अधिनियम सं० 20 सन 1981 के रूप में सर्वसाधारण की सूचना के अधिसूचना द्वारा प्रकाशित किया जाता है।

उत्तर प्रदेश होम्योपैथिक चिकित्सा महाविद्यालय (प्रबन्ध—ग्रहण) (संशोधन) अधिनियम, 1981

[उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या 20 सन 1981]

(जसा उत्तर प्रदेश विधान मण्डल द्वारा पारित हुआ)

उत्तर प्रदेश होम्योपैथिक चिकित्सा महाविद्यालय (प्रबन्ध—ग्रहण) अधिनियम, 1979 का संशोधन करने के लिए

अधिनियम

भारत गणराज्य के बत्तीसवें वर्ष में निम्नलिखित अधिनियम बनाया जाता है :—

1—(1) यह अधिनियम उत्तर प्रदेश होम्योपैथिक चिकित्सा महाविद्यालय (प्रबन्ध—ग्रहण) (संशोधन) अधिनियम, 1981 कहा जायगा।

(2) यह 2 मई, 1981 से प्रवृत्त समझा जायगा।

संक्षिप्त नाम  
और प्रारम्भ

उत्तर प्रदेश अधि-  
नियम संख्या 20  
सन् 1979 की  
धारा 3 का प्रति-  
स्थापन

निरसन और  
अपवाद

2—उत्तर प्रदेश होम्योपैथिक चिकित्सा महाविद्यालय (प्रबन्ध-ग्रहण) अधिनियम, 1979 की, जिसे आगे मूल अधिनियम कहा गया है, धारा 3 के स्थान पर निम्नलिखित धारा रख दी जायगी, अर्थात्—

“3—नियत दिन को और उसी दिन से, तीन वर्ष की अवधि के लिये सभी अनुसूचित महाविद्यालयों का प्रबन्ध राज्य सरकार में निहित होगा।”

3—(1) उत्तर प्रदेश होम्योपैथिक चिकित्सा महाविद्यालय (प्रबन्ध-ग्रहण) (संशोधन) अध्यादेश, 1981 एतद्द्वारा निरसित किया जाता है।

(2) ऐसे निरसन के होते हुए भी, उपधारा (1) में निर्दिष्ट अध्यादेश द्वारा यथा संशोधित मूल अधिनियम के अधीन कृत कोई कार्य या कार्यवाही इस अधिनियम द्वारा यथा संशोधित मूल अधिनियम के तत्समान उपबन्धों के अधीन कृत कार्य या कार्यवाही समझी जायगी मानते इस अधिनियम के उपबन्ध सभी सारभूत समय पर प्रवृत्त थे।

आज्ञा से,  
गंगा बख्श सिंह,  
सचिव।

No. 2783 (2) /XVII-V-1-94-81

Dated Lucknow, October 24, 1981

In pursuance of the provisions of clause (3) of Article 348 of the Constitution of India, the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of the Uttar Pradesh Homoeopathic Chikitsa Mahavidyalaya (Prabandh Grahan) (Sanshodhan) Adhiniyam, 1981 (Uttar Pradesh Adhiniyam Sankhya 20 of 1981) as passed by the Uttar Pradesh Legislature and assented to by the President on October 23, 1981.

THE UTTAR PRADESH HOMOEPATHIC MEDICAL COLLEGES  
(TAKING OVER OF MANAGEMENT) (AMENDMENT)  
ACT, 1981

(U. P. ACT NO. 20 OF 1981)

(AS PASSED BY THE UTTAR PRADESH LEGISLATURE)

AN  
ACT

to amend the Uttar Pradesh Homoeopathic Medical Colleges (Taking over of Management) Act, 1979.

IT IS HEREBY enacted in the Thirty-Second Year of the Republic of India as follows:—

Short title and commencement.

1. (1) This Act may be called the Uttar Pradesh Homoeopathic Medical Colleges (Taking Over of Management) (Amendment) Act, 1981.

(2) It shall be deemed to have come into force on May 2, 1981.

Substitution of section 3 of U. P. Act no. 20 of 1979.

2. For section 3 of the Uttar Pradesh Homoeopathic Medical Colleges (Taking Over of Management) Act, 1979, hereinafter referred to as the principal Act, the following section shall be substituted, namely:—

“3. On and from the appointed day, the management of all the Scheduled colleges shall vest in the State Government for a period of three years from such date.”

Repeal savings. and

3. (1) The Uttar Pradesh Homoeopathic Medical Colleges (Taking Over of Management) (Amendment) Ordinance, 1981 is hereby repealed.

(2) Notwithstanding such repeal, anything done or any action taken under the principal Act, as amended by the Ordinance referred to in sub-section (1), shall be deemed to have been done or taken under the corresponding provisions of the principal Act as amended by this Act, as if the provisions of this Act were in force at all material times.

By order,  
G. B. SINGH,  
Sachiv.